रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HWA)

2017

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5 = 10

ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दा भी होती है। लेकिन इसमें वह मजा नहीं जो मिशनरी भाव से निन्दा करने में आता है। इस प्रकार का निन्दक बड़ा दुःखी होता है। ईर्ष्या–द्वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निन्दा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है। ऐसा निन्दक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौंकता है। ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दा करने वाले को कोई दण्ड देने की जरूरत नहीं है। वह निन्दक बेचारा स्वयं दण्डित होता है। आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दण्ड चाहिए ? अच्छे काम करते जाने से उसका दण्ड भी सख्त होता जाता है। जैसे एक कवि ने अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निन्दक को कष्ट होगा। अब अगर एक और अच्छी लिख दी, तो उसका कष्ट दुगुना हो जायेगा।

निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। मनुष्य अपनी हीनता से दबता है। वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है। उसके अहं की इससे तुष्टि होती है। बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बनती है। ज्यों–ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों–त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या–द्वेष और इनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है। इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है। क्योंकि वह निठल्ला है। स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे बनाया महल और बिन बोये फल मिलते हैं। अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती हैं।

(क) ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दक को दंड देने की जरूरत क्यों नहीं है ?
(ख) निन्दा का उद्‌गम कैसे होता है ?
(ग) निन्दा की प्रवृत्ति कब बढ़ती है ?
(घ) निन्दा को कौन मारता है ?
(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) प्रदूषण की समस्या :
(i) प्रस्तावना
(ii) प्रदूषण के प्रकार
(iii) प्रदूषण के कारण
(iv) प्रदूषण रोकने के उपाय

(ख) देवभूमि उत्तराखण्ड :
(i) प्रस्तावना
(ii) उत्तराखण्ड की भौगोलिक स्थिति
(iii) उत्तराखण्ड के चार धाम
(iv) उत्तराखण्ड की भाषा

3. अपने मित्र के पिताजी के आकस्मिक निधन पर उन्हें शोक–संवेदना पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

अपने क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति की समस्या पर प्रकाश डालते हुए किसी दैनिक समाचार–पत्र के सम्पादक के नाम पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)